दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

वर्ष :- 02 अंक :- 343 मुरादाबाद, 14 April 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

उमेश की हत्या के 48 दिन बाद अतीक का बेटा असद झांसी में एनकाउंटर में ढेर, शूटर गुलाम भी मारा गया

माफिया अतीक अहमद के बेटा असद और गुलाम को झांसी में यूपी एसटीएफ की टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया है। दोनों पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। उमेश पाल को 24 फरवरी 2023 को उनके घर में घुसकर गोलियों से भून दिया गया था। तब से आरोपी फरार थे।उमेश पाल हत्याकांड में यूपी एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम अहमद का एनकाउंटर किया गया है। यूपी एसटीएफ ने यह कार्रवाई झांसी में की है। उमेश पाल हत्याकांड में पांच लाख के इनामी असद और शूटर गुलाम का एनकाउंटर कर दिया गया है। प्रयागराज एसटीएफ की टीम ने दोनों को झांसी में मार गिराया। उमेश पाल की हत्या के बाद से पांचों शूटर फरार थे। इनमें से असद और गुलाम को आज एसटीएफ ने मार गिराया। जबकि पुलिस ने घटना के चार दिन बाद एनकाउंटर में अरबाज को मार गिराया। छह मार्च को उस्मान उर्फ विजय को एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया था। उमेश पाल को 24 फरवरी 2023 को उनके घर में घुसकर गोलियों से भून दिया गया था। अतीक अहमद का बेटा असद समेत छह शूटर गोली और बम मारते हुए सीसीटीवी में दिखे थे। अगले दिन उमेश की पत्नी ने अतीक, अशरफ, शाइस्ता, अतीक के बेटे, गुड्डू मुस्लिम, उस्मान समेत अतीक के कई अज्ञात गुर्गों और सहयोगियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने उस्मान उर्फ विजय चौधरी को पहले ही एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। असद, गुलाम, गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक, बृहस्पतिवार दोपहर झांसी में असद और गुलाम के होने की सूचना पर टीम ने घेराबंदी की। दोनों ने फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में दोनों ढेर हो गए। उनके पास से विदेशी पिस्टल मिली है। असद अहमद पर एक मुकदम था और पांच लाख का इनाम था। गुलाम पर छह मुकदमे थे और पांच लाख का इनाम था।

उमेश पाल की पत्नी जया ने कहा कि इंसाफ की शुरुआत हो गई है। जो हुआ अच्छा हुआ। उन्होंने कहा कि आज दिल को सुकून मिला है। अतीक का भी हो एनकाउंटर तब होगा असली न्याय मिलेगा। एनकाउंटर से बहुत सुकून मिला है- शांतिपाल

अतीक अहमद के तीसरे नंबर का बेटा था असद

झांसी में पुलिस एनकाउंटर में मारा गया असद अहमद के तीसरे नंबर का बेटा था। बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में बंद है। दूसरे नंबर का अली नैनी जेल में है। चौथे और पांचवे नंबर के नाबालिग बेटे बाल सुधार गृह राजरूपपुर में हैं।

असद ने ब्रिटिश बुलडॉग रिवाल्वर से झोंका था पुलिस टीम पर फायर

एसटीएफ ने असद के पास से अत्याधुनिक ब्रिटिश बुलडॉग रिवाल्वर बरामद की है। यह अत्याधुनिक विदेशी पिस्टल है। एक राउंड में 12 फायर इस पिस्टल से किए जा सकते हैं। असद ने इसी पिस्टल से एसटीएफ पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जिसके जवाबी कार्रवाई में असद मारा गया। वहीं, उसके साथी गुलाम के पास वाल्थर पी 88 पिस्टल थी। यह भी अत्याधुनिक स्वचालित विदेशी पिस्टल है मकसूद ने भी 12 राउंड फायर किए थे। एसटीएफ टीम में 2 कमांडो भी मौजूद थे। उनके पास स्वचालित हथियार थे। कमांडो ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें असद और गुलाम ढेर हो गए। दोनों के शव पुलिस ने कब्जे में लेकर उसे मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एसएसपी राजेश एस समेत अन्य मौके पर पहुंच गए।

यह यूपी पुलिस और STF के लिए ज़रूरी केस था- अमिताभ

अतीक अहमद के बेटे असद अहमद के एनकाउंटर पर यूपी स्ञ्रस्त्र के,ष्ठत्र अमिताभ यश ने कहा कि यह यूपी पुलिस और स्ञ्रस्त्र के लिए ज़रूरी केस था क्योंकि एक केस में एक मुख्य गवाह जिसे यूपी पुलिस ने सुरक्षा प्रदान की थी उसकी हत्या कर दी गई थी। इस केस में आज दो शूटर को एनकाउंटर में मारा गया। इनके पास से परिष्कृत विदेशी हथियार मिले।

हत्यारों को सजा मिलना तय था- केशव प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केपी मौर्य ने पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे असद और सहयोगी के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद यूपी एसटीएफ को बधाई दी है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हत्यारों को सजा मिलना तय था। उन्होंने कहा कि अपराधियों के साथ अपराधी जैसा व्यहवार होना चाहिए। उमेश पाल की मां शांतिपाल ने कहा कि हम तो पहले से मांग कर रहे थे कि उनका एनकाउंटर किया जाए। योगी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद जो उनका एनकाउंटर किया गया। पुलिस ने अपना फर्ज अदा किया है जो उन्हें करना चाहिए था। जो भी हुआ है वह कानूनी आधार पर फैसला हुआ है। यह लोग इतने दिन से भागदौड़ कर रहे थे। पुलिस ने उनको अंजाम तक पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री जी का बहुत आभार है, बहुत अच्छा फैसला किया है मेरी आत्मा को संतुष्टि मिली है। इन्होंने मेरे बेटे और उसके पीछे बैठे गनर को गोलियां मारी थीं। आज एनकाउंटर से बहुत सुकून मिला है।

सीएम योगी ने एसटीएफ को दी बधाई

उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहा माफिया अतीक अहमद का बेटा असद अहमद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अधिकारियों की तारीफ की और वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी ने यूपीएसटीएफ के साथ, यूपी डीजीपी, स्पेशल डीजी और पूरी पुलिस टीम की सराहना की। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने इस एनकाउंटर की जानकारी मुख्यमंत्री योगी को दी। इस पूरे मामले की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी को सौंप दी गई है।

अखिलेश यादव बोले- झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है

उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य आरोपित माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को यूपी एसटीएफ ने झांसी में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। असद के साथ उसका साथी गुलाम भी एनकाउंटर में मारा गया है। दोनों प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड में वांछित थे और प्रत्येक पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। इस दौरान पुलिस ने अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद किए हैं।

अखिलेश बोले- झूठा है एनकाउंटर

वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट कर एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। अखिलेश ने अपने ट्वीट में लिखा है कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फ़ैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है।अखिलेश ने लिखा है कि भाजपा भाईचारे के ख़िलाफ़ है।

24 फरवरी को हुई थी वारदात

24 फरवरी को सुलेम सराय में जीटी रोड पर अधिवक्ता उमेश पाल और दो सरकारी गनर पर अतीक अहमद के बेटे असद, गुलाम, साबिर, अरमान और विजय चौधरी उर्फ उस्मान ने ताबड़तोड़ गोली चलाई थी। तथा गुड्डू मुस्लिम ने बम मारे थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद इसमें अतीक के बेटे के शामिल होने की बात सामने आई।

माँझी ने की अमित शाह से मुलाकात, NDA में जाने पर बोले- सवाल ही नहीं उठता, नीतीश के साथ रहने की खाई कसम

पटना- हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात (Jitan Ram Manjhi Amit Shah Meet) की। दोनों की मुलाकात को लेकर बिहार में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। वहीं, मुलाकात के बाद मांझी ने कहा कि एनडीए में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता है।पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने अमित शाह से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीएम नीतीश कुमार की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि मैंने नीतीश कुमार के साथ रहने का संकल्प लिया है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री बनने के सारी योग्यता है। वे ईमानदारी से विपक्ष को एकजुट करने में जुटे हैं।हम के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने बताया कि अमित शाह से जीतन राम मांझी की मुलाकात दिन के 11 बजे होगी। वे गृहमंत्री से मिलकर बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह, पर्वत पुरुष दशरथ मांझी और भूतपूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग रखेंगे। इस दौरान अमित शाह और जीतन राम मांझी के बीच चुनावी समीकरण और रणनीति पर भी बात हो सकती है।लोकसभा चुनाव 2024 जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, बिहार में सियासी गर्माहट बढ़ गई है। बिहार के नेताओं का दिल्ली दौरा शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।उनके इस दौरे को लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने नेताओं से मिलकर भाजपा के खिलाफ

विपक्ष को एकजुट होने की अपील की है। इसके साथ ही बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी दिल्ली में हैं। सीएम नीतीश कुमार ने तेजस्वी से मुलाकात कर उनकी बेटी को आशीर्वाद दिया। अमित शाह से जीतन राम मांझी बिहार के विभूतियों को भारत रत्न देने की मांग करेंगे। ऐसे में उन लोगों के बारे में जानते हैं-

जननायक कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न की मांग

कर्पूरी ठाकुर बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे। कर्पूरी ठाकुर को गरीबों और दबे-कुचले वर्ग की आवाज कहा जाता था, इसलिए उन्हें जननायक कहा गया। जननायक कर्पूरी ठाकुर बिहार के पहले गैर-कांग्रेसी सीएम थे। 1967 में उन्होंने बिहार में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया।

बरौनी रिफाइनरी, कृषि विश्वविद्यालय श्रीकृष्ण सिंह की सौगात

श्रीकृष्ण सिंह के योगदान को भूला नहीं जा सकता है। वे 1946-1961 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने 15 साल के कार्यकाल में बिहार में उद्योग, कृषि, शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य, कला और सामाजिक क्षेत्र में कई सराहनीय कार्य किए। आजाद भारत की पहली रिफाइनरी- बरौनी ऑयल रिफाइनरी, आजाद भारत का पहला खाद कारखाना- सिन्दरी और बरौनी रासायनिक खाद कारखाना, एशिया का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग कारखाना- भारी उद्योग निगम (एचईसी) हटिया, गंगोत्री से गंगासागर के बीच प्रथम रेल सह सड़क पुल-राजेंद्र पुल, कोसी प्रोजेक्ट, पूसा और सबौर का एग्रीकल्चर कॉलेज बनवाने में श्रीकृष्ण का बड़ा योगदान है।

दशरथ मांझी ने चीरा था पहाड़ का सीना

मांझी बिहार के नेताओं के लिए भारत रत्न की मांग करने दिल्ली गए हैं। वे पहाड़ का सीना चीरने वाले दशरथ मांझी के लिए भी भारत रत्न की मांग करेंगे। बता दें कि पत्नी की मौत के बाद गया के रहने वाले दशरथ मांझी ने अपने हाथों से पहाड़ काटकर रास्ता बनाया था। उन्होंने 22 साल में 25 फीट ऊंचा, 30 फीट चौड़ा और 360 मीटर लंबे पहाड़ को काटकर आम लोगों के लिए रास्ता बना दिया था। उनपर फिल्म मांझी द माउंटन मैन भी बन चुकी है।

संपादकीय Editorial

Not China, India's Arunachal

The border disputes between India and China are several decades old. India has given a befitting reply to China in Ladakh and Arunachal Pradesh. The armies of both the countries are deployed face to face in the region of Ladakh, so the situation of tension and war is natural. Border disputes have escalated since the 1962 war and have now become so complex that diplomatic and military dialogue alone are not the solution. The issue of Tibet also remains hot in Arunachal. China considers the entire area of Tibet as 'China', just as it has been accepting Taiwan as its occupation, but how can we accept the area of Arunachal which is under Indian sovereignty as 'China'? Of course, China may rename some areas and villages as 'Chinese', as it has done in the border areas of Indian states like Himachal and Uttarakhand, but sovereignty cannot be changed by naming.

Arunachal is an integral part of the Republic of India. It is a Lok Sabha constituency. The assembly has been formed according to the Indian law and constitution. Elections there have also been conducted according to the Indian Constitution and the Chief Minister comes under the constitutional purview of the Government of India and the President. The Government of India has been giving financial grants to Arunachal, according to its share in the budget and taxes. Special grants are also given to the North Eastern states.

If the country's Home Minister Amit Shah went on a visit to Arunachal and started the 'Vibrant Village Program' of the Government of India, then no boundaries have been crossed. Whenever the country's Defense Minister Rajnath Singh and other Union Ministers visited Arunachal, China was bewildered. Has also shouted and used threatening language. He has also objected on the basis of sovereignty. China is an encroachment, it is well known by the countries of the world whose sovereign territories are occupied by China. More or less, today China cannot grab even an inch of India's land. We cannot forget the compulsions of 1962, that's why dialogue continues on those controversies even today. If the adventurism of expansionism is made now, the Chinese troops will have to face aggressive and aggressive resistance. It has happened a few times that Indian soldiers have broken the backbone of Chinese soldiers, injured them by twisting their necks and beaten them with barbed, nail-studded sticks. Of course, in the Galvan Valley of eastern Ladakh, the Chinese army treacherously attacked our troop and 20 of our soldiers were 'martyred'.

Its immediate attack is felt by China till date and the world also knows how many casualties were caused by the Indian soldiers in the counterattack. Now India has learned to give a befitting reply to China's aggressive strategy. We have also made concrete roads, concrete bridges, strong airstrips and deep tunnels and this construction is going on continuously.

There are also preparations for the railway route. This is not the India of 1962, a country equipped with nuclear power and lethal weapons. China is the target of our missile attack. Lakhs of soldiers of India are well equipped and trained. Strong Air Force and Navy. China knows India's all-round capabilities, so it also continues the dialogue.

Half of the population: Financial inclusion and women, a new and practical strategy will have to be made for self-reliance

Micro finance companies in India have built a relationship of trust with the poor, working class and rural women who were outside the banking system for a long time. This industry should now work on such a strategy, which makes vulnerable women self-reliant and responsible. The trend of providing microfinance to vulnerable groups of women without any collateral (an asset that the lender accepts as security for the loan) continues to feature prominently in economic news from India. New investments keep pouring in from both domestic and global sources in this area of micro finance. It is through these investments that dozens of India's micro finance companies (MFIs) ensure financial inclusion of marginalized groups, and which continues to be a lucrative venture for these companies. Till a decade back, India's micro finance sector was a media target. In Andhra Pradesh, for example, media outlets tried to put pressure on microfinance companies by citing violent debt collection methods and the resulting suicides of borrowers. But now the focus of the media in this matter is on other issues rather than the difficulties of the borrowers. Despite this, microfinance companies are still very important because of their focus on poor women. But do these companies provide women in need with the help and services they need? And why is it that an industry focused solely on shareholder returns keeps women from vulnerable groups out of India's financial ecosystem? In my recent book, which is the result of my decade-long research on India's commercial microfinance sector, I show that India's microfinance industry has not only missed its goal of bringing marginalized women into the mainstream of development Rather, microfinance companies' strategies rarely concern the needs of vulnerable women. On the contrary, the evidence of gender disparity in the day-to-day activities of this industry is evident from the work culture of their institutions to their interactions with the customers-borrowers.This industry employs poor women who have taken loans, but does not pay them wages. These women help these companies in debt recovery by forming groups and through personal information and labour. For example, in Bangalore I met a woman leader who claimed to be helping her neighbors. After talking to her and other women in her group in detail, it became clear that she uses her influence to create such a group of women in her community, which is in the interest of the small finance company. Such groups include poor women as well as relatively well-to-do women, including entrepreneurs, tenants, and housewives—all kinds of women. For the creditworthiness of micro finance companies, it is necessary that they form different types of groups. But till now the employees of these companies have failed to do so. As such, they seek the help of women who have influence in their community. The woman leader I was referring to, through love and coercion, united different categories of women and asked them to take a loan from a small finance company together, but in conversation she was claiming that this work was done by women. Do it for service. There is no doubt that behind such work that woman leader must have had her own interests, but it is certain that the company does not pay her any money for this work. The micro finance sector has a very positive image. It is believed that this industry does an important job of making women small entrepreneurs and self-reliant. But such women who take loans in India do not become entrepreneurs. Rather, they take small loans to pay school fees, necessary medical expenses and repay costly loans. Small finance companies benefit from this. While repaying the small loan, the borrower can take a bigger loan after one year, due to which the profits of the micro finance companies are also comparatively higher. In the work culture of small finance companies, women employees get less opportunities to advance as compared to male employees. A female employee told me that after a group of women took a loan, her eyesight ran out, so it was difficult for the other women to repay her loan along with theirs. In such a situation, the female employee broke open the door of the absconding leader's house and asked her to take out her belongings and sell them. Had she not said so, the report card of that female employee herself would have been spoiled because she had got the loan to that group. Women borrowers from micro finance companies are economically weak, but they are not necessarily poor. When a woman named Vijaya needed money for her hysterectomy, an influential woman in her community got her a loan from a small finance company. Vijaya was grateful to her acquaintance as well as to the company, because the interest she charged was less than that of her neighborhood moneylender. In this sense, the importance of micro finance companies is definitely high for women like Vijaya, but the irony is that women empowerment is never a part of the strategy of these companies which provide loans to women groups. Since a large number of these companies-Loans are given to the needy, in which the number of women groups is very high, in such a situation, they should work on such a strategy, which will make the weak women of the country self-reliant and responsible. There is no doubt that micro finance companies have built a relationship of trust with the poor, working class and rural women who were outside the banking system for long. Hence, it is high time that the industry also works towards empowering the large population of women in need.

Community: Women connecting iron with life, mechanization is breaking the links of profit

Despite hard work, these women have no fixed daily income. Large scale mechanization has deprived them of profit. Agriculture is an important business of our country. The utility of tools for agriculture is self-evident. The blacksmiths provide these tools to the farmers. Blacksmiths have been forging tools by giving different shapes to iron metal since ancient times. But the community of Gadiya Lohars is still in the darkness of oblivion. He has been using scientific method along with traditional knowledge in his work, without ever going to school. The women of this community are also playing their part in taking forward this work on par with men. A village of Gadia Lohars in Parsoli village along the Ajmer-Jaipur highway in Rajasthan is living in abject poverty. Dali Gadiya Lohar, 60, from the same town, says, 'We don't know what a school looks like? We started working at the age of fifteen. We used to go from one village to another selling iron goods in a bullock cart with my parents.

Times have changed, but our circumstances have not changed. These blacksmiths were originally from Mewar and made weapons for the rulers. When Maharana Pratap lost his kingdom, the blacksmiths also vowed to live like nomads. To make a living, they made goods and sold them on bullock carts from village to village. Because of this bullock cart, he came to be known as Gadiya Lohar. In this community of blacksmiths, women play an important role in making metal tools. While the man heats the coals and strikes the iron, the women first fan the coals and then join the man to help shape the metal. It is hard work and very difficult process. These women learn this work from childhood. Apart from making goods, women also sell their products by going from village to village, fair after fair. They make tongs, sieves, dantlis (hand saws), axes, sickles and spades.

They buy iron and coal from the city to make goods. Most of them have nothing to do with education, but having settled in one place for the past decade, their children now go to a nearby government school. There are many dangers involved in their work. Not only do they have to sit for hours in front of a blazing fire, but there is also a high risk of injury while making tools. Despite hard work, these women have no fixed daily income. Large scale mechanization has deprived them of profit. Modern machine-made tools are now available, which are available at very cheap prices.

In such a situation, why would anyone buy the tools made by them? Now they sell locks, chains, kitchen knives, bells, spoons, mousetraps, etc., sitting on the roadside, which earns them very little profit. Kamla Gadia Lohar says, we buy goods worth Rs 20,000, but our total income is only Rs 2,000. In this era of inflation, what can be done by earning two to three thousand rupees a month! Same is the story of Santosh Gadia Lohar. She says, 'We earn only five to ten rupees from one item. We make some things ourselves, and buy some from the market to sell. Mechanization has affected our family business.

Fairs are important places for promotion of handicrafts, but it is not profitable for these blacksmiths. Pushkar fair has also not been profitable for them. The organizers of the fair charge them Rs 3,000 per foot as rent, then they do not get a permanent place in the fair. Rent has to be paid whether the goods are sold or not. The same story is of the second major fair of the region 'Urs Mela in Ajmer Sharif'. These hardworking women of the Gadia Lohar community are looking forward to the day when their products will once again become popular and sell at a good price. (Charkha Feature)

पानी ठहरेगा जहां, मच्छर पनपेगा वहां बताकर किया जागरूक

मुरादाबाद- हमने ये ठाना है, मलेरिया को मिटाना है। पानी ठहरेगा जहां, मच्छर पनपेगा वहां। इस नारे के साथ माध्यम से गुरुवार को मलेरिया विभाग की टीम ने सदर कोतवाली और नगर निगम क्षेत्र में लोगों को जागरूक किया। लोगों को शपथ दिलाई कि वह मलेरिया को मिटाने में पूरा सहयोग कर दूसरों को भी जागरूक करेंगे। जिला मलेरिया अधिकारी पीएन यादव ने बताया कि 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस से पूर्व आम जनमानस में मलेरिया के प्रति जागरूकता फैलाने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में गोष्ठी आयोजित कर लोगों को मलेरिया के लक्षण, बचाव और उपाय के बारे में बताया गया। जिससे मलेरिया को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सर्दी व कंपन के साथ बुखार, उल्टियां, सिर दर्द होना, बुखार उतरते समय बदन पसीना-पसीना होना, थकावट व कमजोरी महसूस होना मलेरिया के लक्षण हैं। ऐसा होने पर खून की जांच कराएं। जल भराव वाले स्थानों पर मिट्टी का तेल व जला हुआ मोविल आयल की कुछ मात्रा पानी में डाल दें। गोष्ठी के दौरान बताया गया कि अपने घर के आस-पास गड्ढे इत्यादि में पानी जमा न होने दें। रूके पानी में मच्छर पैदा होता है। हैंडपंप के आसपास पानी जमा न होने दें। गर्मियों में घरों में इस्तेमाल होने वाली पानी को सप्ताह में एक बार जरूर बदले तथा पानी की टंकी आदि को ढककर रखें। अपने आसपास कोई बुखार का रोगी है तो उसकी सूचना नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र और रोग नियंत्रण कक्ष को दे सकते हैं। इस अवसर पर सहायक मलेरिया अधिकारी प्रदीप रावत, मलेरिया निरीक्षक शेखर गुप्ता, फील्ड वर्कर लखपत सिंह, विनय कुमार, मलेरिया विभाग सलाहकार शरद पाल आदि मौजूद रहे।

कानपुर बार एसोसिएशन के समर्थन में उतरे अधिवक्ता, नहीं किया कार्य

मुरादाबाद- कानपुर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के खिलाफ हाई कोर्ट द्वारा आरोप तय करने के बाद कई जिलों के अधिवक्ता एसोसिएशन कानपुर बार के समर्थन में उतर आए हैं।आपको बता दें कि कानपुर जनपद में वकीलों ने अदालत का बहिष्कार किया था,

जिसके कारण वहां के अधिवक्ताओं ने हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया। जिसके बाद हाई कोर्ट ने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों को तलब करते हुए उनके खिलाफ आरोप तय कर दिए थे। जिससे वकील समुदाय मे रोष व्याप्त हो गया। गुरुवार को मुरादाबाद बार एसोसिएशन के द्वारा गुरुवार को कानपुर बार एसोसिएशन के समर्थन में एक दिवसीय हड़ताल का निर्णय लिया गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सैना ने बताया कि अधिवक्ताओं के खिलाफ जो निर्णय लिया गया है

वह गलत है इस निर्णय से अधिवक्ताओं को ठेस पहुंची है। महासचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि हड़ताल मे न केवल अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया बल्कि स्टाम्प विक्रेता, टाइपिस्ट और नोटरी वकील ने भी किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं किया। इससे हम सबकी एकता दिखाई देती है। वकीलों की इस हड़ताल के कारण वादकारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के दौरान अधिवक्ताओं ने बार अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक मार्च निकाल कर अपना विरोध जताया। अधिवक्ताओं के इस मार्च में बार उपाध्यक्ष सुनील कुमार सक्सैना, पारुल अग्रवाल, खलील अहमद, विनीत भटनागर, मुन्नी देवी, कबीर खालिद, विशाल भारद्वाज, उस्मान अली, जितेन्द्र प्रताप सिंह, अंकित टंडन, प्रमोद प्रत्येकी त्रिलोक चंद दिवाकर, सुरेश सिंह अन्य वकील मौजूद रहे।

जयंती पर छात्रों ने बनाया डॉ. भीमराव आंबेडकर का भव्य चित्र

मुरादाबाद- चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में गुरुवार को संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोउल्लास से मनाई गई और उनके बताए गए विचारों को मानने का संकल्प लिया। साथ ही छात्रों ने पेपर कोलाज की सहायता से डॉ. भीमराव अंबेडकर का एक भव्य चित्र बनाया। इस मौके पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वीर सिंह ने सभी छात्रों का उत्साह वर्धन किया। इस मौके पर डॉ. नवनीत गोस्वामी, कैप्टन शिवकुमार, राजीव कुमार पाठक, पवन पाल, जसवंत सिंह, रविंद्र सिंह, डॉक्टर विशेष शर्मा, राकेश वर्मा, पंकज शर्मा आदि मौजूद रहे।

सब्जी खरीदने गई महिला ने ट्रेन के आगे कूद कर दे दी जान

मुरादाबाद-कटघर के गुलाबबाड़ी रेलवे फाटक के पास एक महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि ट्रेन आने पर महिला ने छलांग लगा दी थी। पर्स में मिले मोबाइल से उसकी पहचान सरिता के रूप में हुई है। कटघर थाना प्रभारी राजेश सोलंकी ने बताया कि 52 वर्षीय महिला सरिता पत्नी कृष्णा वर्मा बिजनौर जनपद के नूरपुर निवासी थी। कटघर के बरवालान में उसका मायका है। करीब तीस साल पहले उसकी शादी नूरपुर निवासी कृष्णा वर्मा के साथ हुई थी। एक बेटा आयुष वर्मा है। महिला के भाई सुनील वर्मा ने बताया कि बुधवार दोपहर भांजे आयुष ने फोन कर बताया कि अभी उसके मोबाइल पर कटघर थाने से पुलिस कर्मी की कॉल आई है। महिला के पर्स से मोबाइल और बिजनौर से मुरादाबाद का रोडवेज की बस का टिकट मिला है। पुलिस कर्मियों ने मृतका का फोटो आयुष के नंबर पर व्हाट्सएप किया। आयुष ने फोटो देखकर मृतका की पहचान अपनी मां के रूप में की है। इसके बाद सुनील वर्मा मौके पर पहुंच गए। बिजनौर के नूरपुर से परिजन आ गए। महिला बुधवार सुबह घर से सब्जी खरीदने के लिए निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। थाना प्रभारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

महिला सेल्समैन से दुष्कर्म का वीडियो वायरल, मेडिकल स्टोर संचालक समेत तीन पर रिपोर्ट

मुरादाबाद- महानगर निवासी युवती से कांठ कस्बे में दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने पर पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। नागफनी थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने एसएसपी को तहरीर दी। बताया कि वह एक दवा कंपनी में सेल्समैन थी। नौ नवंबर 2022 को युवती दवा की खेप लेकर कांठ पहुंची। वहां महिला सेल्समैन ने एवन मेडिकल स्टोर के संचालक शाहिद से मुलाकात की। तब दुकान पर शाहिद के दोस्त अमान व आमिर भी मौजूद थे। बातचीत में मेडिकल स्टोर संचालक ने महिला सेल्समैन को चाय पिलाई। इससे वह बेसुध हो गई। कुछ देर बाद उसे होश आया तो वह मेडिकल स्टोर की छत पर दवा के गोदाम में मौजूद थी। मोबाइल कैमरा से तीनों आरोपी उसका वीडियो बना रहे थे। इस दौरान शाहिद ने महिला सेल्समैन के साथ दुष्कर्म भी किया। अमान व आमिर दुष्कर्म में अपने दोस्त की मदद कर रहे थे। इसके बाद तीनों आरोपियों ने पीड़िता को चुप रहने की धमकी दी। कहा कि यदि मामला पुलिस तक पहुंचा, तो वह अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। तीनों आरोपियों ने पीड़िता को कई माह तक ब्लैकमेल किया। अब वीडियो वायरल होने पर एसएसपी के आदेश पर कांठ थाने के सीओ गणेश कुमार गुप्ता ने घटना की जांच की। जांच में आरोप सही मिलने पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सीओ ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ हो रही है।

मुरादाबाद कचहरी परिसर से सिपाही की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक भाग गया था आदित्य राणा

मुरादाबाद-बिजनौर जनपद में मुठभेड़ में ढेर किया गया ढाई लाख रुपये का इनाम आदित्य राणा मुरादाबाद कचहरी परिसर से भी एक बार फरार गया था। सिपाही की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक कर वह साथियों के भाग निकला था। बिजनौर जनपद के राना नंगला निवासी आदित्य सिंह ने 22 जून 2014 को मुरादाबाद के सिविल लाइंस में डॉ. जहांगीर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके अलावा सिविल लाइंस क्षेत्र में आदित्य ने अपने साथियों के साथ लूटपाट की घटनाएं भी की थीं। तीन अगस्त 2017 को उसे पेशी पर मुरादाबाद कचहरी में लाया गया था। इसी दौरान उसने सिपाही से टॉयलेट जाने का बहाना बनाया था। आदित्य दीवार के पास खड़ा हो गया। सिपाही ने एक हाथ से हथकड़ी पकड़ रखी थी। इसी दौरान उसने अपनी जेब से मिर्च पाउडर निकाला और सिपाही की आंखों में झोंक कर हथकड़ी समेत फरार हो गया था। आदित्य की फरारी में शामिल मुजफ्फर नगर के बदमाश विवेक उर्फ वीरू को पुलिस गिरफ्तार किया था। उसने पुलिस पूछताछ में खुलासा था कि वह जेल में सुपारी लेने के बाद बिजनौर में एक हत्या करने के लिए फरार हुआ था। फरारी के दौरान आदित्य ने बिजनौर के हल्दौर थाना क्षेत्र में अम्हेड़ा में ओमराज की गोली मारकर की हत्या की थी। कुछ दिन वह बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र के गोहली में इरशाद के घर छुपा था। तब एसओजी दबिश दी तो वह गोलियां बरसाता हुआ अपने साथी विशाल और रोहित के साथ फरार हो गया था। चौदह नवंबर 2017 को उसने अपने ही गांव निवासी मुकेश नाम के एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसे शक था कि मुकेश उसकी मुखबिरी कर रहा है। बिजनौर और मुरादाबाद की पुलिस को चकमा देते हुए उसने धामपुर, नगीना, मंडावली और नूर थानाक्षेत्र में लूट की कई घटनाएं की थीं। पुलिस और एसटीएफ उसकी तलाश में जुटी थी। इसी दौरान दस जनवरी 2018 को उसने अपने साथी रोहित के साथ बिजनौर कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

मुरादाबाद से ही रखा था अपराध की दुनिया में कदम

मुरादाबाद। आदित्य राणा अपने साथियों के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। पढ़ाई के दौरान ही उसने और उसके साथियों ने लूटपाट की घटनाएं करना शुरू कर दी थी। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर सिविल लाइंस में डॉ. जहांगीर की हत्या की थी।

टिकट न होने पर बच्ची को ट्रेन से उतारा, टीटीई निलंबित, रेल मदद पर ट्वीट करने के बाद प्रशासन हुआ सक्रिय

मुरादाबाद-टीटीई ने जुर्माना नहीं देने पर उतारा- ड्यूटी पर तैनात टीटीई धनंजय कुमार ने सात साल की बच्ची का जुर्माना समेत टिकट बनाने को कहा। युवक ने कहा कि उसके पास टिकट बनाने के लिए रुपये नहीं है, टीटीई ने जुर्माना नहीं देने पर सुनील व उसकी बहन को बरेली स्टेशन पर उतार दिया। ट्वीट कर रेल मदद पर सुनील के पिता ने शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा कि टीटीई ने बेटा व बेटी को टिकट होने के बाद भी बरेली में उतार दिया है। दोनों बच्चे खो गए हैं

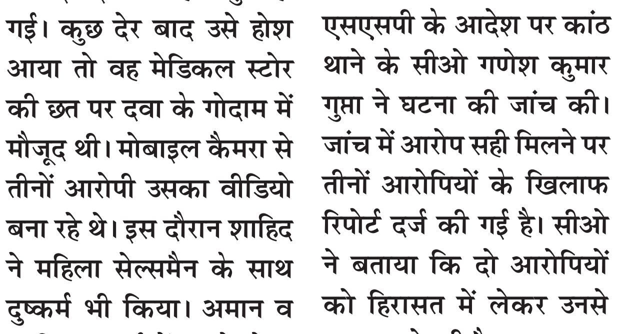

रेल अधिकारियों ने की छानबीन

इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने छानबीन की। पता चला कि बरेली के किसी टीटीई ने अपने मोबाइल से युवक के पिता से वार्ता कराई थी और जनरल टिकट दिलाकर दोनों को पटना जाने वाली ट्रेन से रवाना कराया दिया था।

सीनियर डीसीएम ने आरोपित टीटीई को मंगलवार को डीआरएम आफिस बुलाया। टीटीई ने बच्ची को उतारते समय मानवता नहीं दिखाई। इसके लिए आरोपित टीटीई धनंजय कुमार को निलंबित कर दिया है। शाम को युवक व बच्ची घर पहुंच गए हैं। -सुधीर सिंह, सीनियर डीसीएम, मुरादाबाद रेल मंडल

सुपरफास्ट ट्रेन से बिना टिकट चलने के आरोप में सात साल की बच्ची को बरेली में ट्रेन से उतार दिया गया था। रेल मदद पर ट्वीट होने के बाद मंडल रेल प्रशासन सक्रिय हुआ। जांच के बाद सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने आरोपित टीटीई धनंजय कुमार को निलंबित कर दिया है। नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस में नई दिल्ली से खगड़िया जाने के लिए सुनील कुमार वेटिंग का टिकट लेकर स्लीपर कोच में सवार हो गया था। साथ में सात साल की बहन भी थी, जिसके पास टिकट नहीं था।

कर बकाया पर सपा नेता के समधी के मकान पर नगर निगम की टीम ने लगाई थी सील

मुरादाबाद-आजम खां के करीबी सपा नेता यूसुफ मलिक के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में 26 मार्च 2022 को अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि राजस्व वसूली अभियान के तहत बकायेदारों से जुर्माना वसूला जा रहा था। कटघर थाना क्षेत्र में सपा नेता के समधी जमाल के आवास पर जुर्माना जमा न करने पर सील लगा दी गई थी। विरोध में सपा नेता यूसुफ मलिक कुछ साथियों के साथ नगर निगम के पीलीकोठी स्थित दफ्तर में पहुंच गया था। आरोप है कि उसने महिला अधिकारी के साथ अभद्रता की थी। इसके बाद अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह को कॉल करके धमकी दी थी। पुलिस ने इस मामले में यूसुफ मलिक, उसके भाई यूनुस मलिक, आसिफ और आरिफ को आरोपी बनाया था। कटघर थाने में दर्ज दूसरे मुकदमे में सपा नेता के समधी जमाल, दामाद दानियाल और बेटी को आरोपी बनाया गया था। रामपुर की कोर्ट में यूसुफ मलिक ने आत्मसमर्पण किया था। सिविल लाइंस थाने में सपा नेता यूसुफ मलिक, यूनुस मलिक, दामाद दनियाल, समधी जमाल, आसिफ, तारिक के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के यूसुफ मलिक और उसके भाइयों की संपत्ति कुर्क की थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

असद अहमद का एनकाउंटर: अखिलेश यादव ने ट्वीट कर योगी सरकार पर उठाए सवाल, मायावती की मांग- उच्चस्तरीय जांच हो

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने असद अहमद के एनकाउंटर पर ट्वीट कर योगी सरकार को घेरा है और कहा कि उन्हें कोर्ट पर भरोसा नहीं है। सभी फर्जी एनकाउंटरों की जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, मायावती ने मांग की है कि पूरी घटना की उच्चस्तरीय जांच हो। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद के एनकाउंटर पर ट्वीट कर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आज के व हालिया एनकाउंटरों की गहन जांच-पड़ताल हो और दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फैसले का अधिकार सत्ता का नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा भाईचारे के खिलाफ है। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रयागराज के अतीक अहमद के बेटे व एक अन्य की आज पुलिस मुठभेड़ में हुई हत्या पर अनेकों प्रकार की चर्चाएं गर्म हैं। लोगों को लगता है कि विकास दुबे काण्ड के दोहराए जाने की उनकी आशंका सच साबित हुई है। अतः घटना के पूरे तथ्य व सच्चाई जनता के सामने आ सके इसके लिए उच्च-स्तरीय जांच जरूरी है। झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आजके व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फ़ैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है।प्रयागराज के अतीक अहमद के बेटे व एक अन्य की आज पुलिस मुठभेड़ में हुई हत्या पर अनेकों प्रकार की चर्चायें गर्म हैं। लोगों को लगता है कि विकास दुबे काण्ड के दोहराए जाने की उनकी आशंका सच साबित हुई है। अतः घटना के पूरे तथ्य व सच्चाई जनता के सामने आ सके इसके लिए उच्च-स्तरीय जाँच जरूरी। अखिलेश यादव का ये ट्वीट तब आया है जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी असद अहमद व गुलाम पर यूपीएसटीएफ की कार्रवाई की तारीफ की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर यूपी विधानसभा में दिया गया उनका बयान कि %माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे... सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सास का बेटा पत्रिका का विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।समाज की कुरीतियों और बुराइयों पर व्यंग दिव्यांग, अनाथ बालकों की दुर्दशा पर बेबाक टिप्पणी,सास का बेटा' पत्रिका का विमोचन लेखिका मधु चतुर्वेदी की लघु कहानी संकलन का विमोचन-समीक्षा कार्यक्रम साहित्य संस्था द्वारा आयोजित की गई। जिस के मुख्य अतिथि प्रख्यात शिक्षाविद एवं हिंदी जगत के सशक्त हस्ताक्षर, प्रो.(डॉ) एन.एल. शर्मा रहे। उनहोंने अपने संबोधन में समीक्षा करते हुए कहा कि इस आधुनिक युग की रूढ़िवादी कुरीतियों, अशिक्षित समाज उनके दुषपरिणामों पर कड़ा प्रहार बताया। सभी लघु कथाएं अत्यंत मौलिक दिलों को छूने वाली तथा हृदयस्पर्शी हैं। उनके पात्र समाज के हर कोने में टहलते हुए मिल जाएंगे जैसे रेलवे स्टेशन हो या मॉल के बाहर के फुटपाथ या कोई अनाथालय अथवा सरकारी अस्पताल सभी में कहानियों के पात्र चाहे वह किरदार 'कुंती बुआ', श्यामल फूफा, 'देव' समिधा समिधि कथा यू -टर्न कोरोना त्रासदी का भयाभय, चित्रण है, जो बकौल प्रो. वसीम के इस शेर से करीब जुड़ा हुआ लगता है। ''आँखों से सामने से वा मंज़र ना जायेगा, वो देखना पढ़ेगा जो देखा ना जायेगा''। लेखिका के कुछ संवाद पाठकों को गुदगुदाते भी है ।और सोचने को मजबूर भी करते हैं, जैसे- ''नौकर मैने अपने को समझा नहीं, मालिक मैं हो नहीं सकती, मैं तो खुद पैसों की खातिर देहदान को तैयार थी परन्तु अंगदान में कुछ ज्यादा गुजाईश की संभावना है। लघु कथाओं में 'सास का बेटा', 'देहदान', इस कुवारीं से...., जूता, हृदय स्पर्शी के साथ-साथ समाज पर तीखे व्यंग भी हैं। कुल मिलाकर कहानी लेखिका अपनी पूरी छाप पाठकों पर छोड़ जाती है। क्योंकि उनकी पृष्ठ भूमि झांसी के राष्ट्रीय कवि स्व. मैथली शरण गुप्त और स्व. व्रदावनलाल वर्मा की नगरी का पुठ विद्यमान है। समारोह में नगर में प्रतिष्ठित लेखकों, समालोचकों में डॉ. इंद्रदेव त्रिवेदी, डॉ. आर के सिंह, डॉ. आदर्श शर्मा, सहित कई साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

बाबा साहब की सजीव प्रतिमा बनाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा।राजश्री कालेज में अध्ययनरत चावढ़ मुंडिया की एम0 एससी0की छात्रा पूजा भारती हालांकि वह विज्ञान वर्ग की छात्रा है। लेकिन उसे बचपन से ही कला से अति लगाव है।और वह लगातार कलाकृतियां उकेरती रहती है।

भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बाबा साहब की सजीव प्रतिमा बनाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।मनोहर भूषण इण्टर कॉलेज में कार्यरत पिता लिपिक सत्य प्रकाश गौतम एवं गृहणी माता शकुन्तला देवी सदैव अपनी बेटी को उसकी शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए देश एवं समाज की सेवा का पाठ सिखाते हैं। राजश्री कालेज के रजिस्ट्रार दुष्यंत महेश्वरी, एडवोकेट जसवीर सिंह राणा,शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता,राज यादव आदि ने पूजा की बेहतर कला कृति को लेकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

छानबे विधानसभा सीट: उपचुनाव के लिए नामांकन शुरू, पहले दिन किसी भी नहीं दाखिल किया पर्चा

मिर्जापुर जिले के छानबे विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रत्याशी 20 अप्रैल तक नामांकन कर सकेंगे। मिर्जापुर जिले के छानबे विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में गुरुवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले दिन सात संभावित उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र लिया। एक भी नामांकन पर्चा दाखिल नहीं हुआ। दिन भर अधिकारी कक्ष में बैठकर प्रत्याशियों की प्रतीक्षा करते रहे। छानबे विधानसभा सीट से विधायक रहे राहुल प्रकाश कोल के निधन हो जाने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। ऐसे में सीट रिक्त हो जाने के बाद उपचुनाव हो रहा है। अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व के न्यायालय में नामांकन कक्ष बनाया गया है। एसडीएम लालगंज भरत लाल सरोज को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है।

इन्होंने लिया नामांकन पत्र

गुरुवार को निर्दल भीमराव ने नामांकन पत्र लिया। उसके बाद समाजवादी पार्टी की कीर्ति के नाम से रमाकांत यादव ने नामांकन पत्र लिया। इसके बाद निर्दल सर्वेश जे कन्नौजिया के नाम से रजनीश कुमार त्रिपाठी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अजय कुमार के नाम से चंद्रमोहन प्रसाद ने नामांकन पत्र लिया। इसी प्रकार भारतीय मानव समाज पार्टी के जितेंद्र कुमार के नाम से जितेंद्र कुमार, अपना दल की रिंकी के नाम से कुलदीप पटेल तथा आजाद समाज पार्टी कांशीराम के संदीप कुमार के नाम से संदीप कुमार ने नामांकन पत्र लिया।

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

मिर्जापुर कलेक्ट्रेट परिसर का गुरुवार को जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने निरीक्षण किया। नामांकन कक्ष में मौजूद लोगों से पूछताछ की। उसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर होते हुए मुख्य द्वार तक गईं। वहां उपस्थित पुलिस कर्मियों से उन्होंने व्यवस्था एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। पहले टीबी अस्पताल तिराहा से ही बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन रोकने की बात थी । बैरिकेडिंग तो की गई, लेकिन आवागमन जारी रहा। टीबी अस्पताल तिराहा व दूसरी ओर रमईपट्टी तिराहा की ओर से कलेक्ट्रेट आने वाले मार्ग पर बैरिकेडिंग की गई है, ताकि किसी आकस्मिक स्थिति में आवागमन रोका जा सके। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवप्रताप शुक्ल व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

36 घंटे में तीन बड़े इनामी ढेर, पश्चिम से प्रयागराज तक खौफ खत्म, इनकी दहशत से कांपते थे लोग

उत्तर प्रदेश में ताबड़तोड़ एनकाउंटर हो रहे हैं। जहां बिजनौर में बीती मंगलवार की देर रात करीब ढाई बजे पुलिस ने कुख्यात अपराधी आदित्य राणा को मुठभेड़ में ढेर किया तो वहीं गुरुवार यानी आज दिन में करीब दो बजे यूपी एसटीएफ की टीम ने माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके साथी गुलाम को मार गिराया। बता दें कि कुख्यात अपराधी आदित्य राणा पर ढाई लाख का इनाम है। आदित्य राणा ने साल 2013 में पहली बार हत्या कर जरायम की दुनिया में कदम रखा, इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा।

आदित्य राणा ने लगातार की थीं तीन हत्याएं

कुख्यात अपराधी आदित्य राणा क्षेत्र में एक के बाद एक लगातार तीन हत्या कर सुर्खियों में आया था। गांव में अपने ही पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाइयों को एक साल में मौत के घाट उतारने के बाद आदित्य जिले की पुलिस के लिए सिर दर्द बन गया था।अलग पहचान बनाने की होड़ में बढ़ाया था ऑपराधिक रिकॉर्ड

आदित्य राणा पुत्र राजपाल सिंह ने अपराध की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने की दौड़ में एक के बाद एक अपराध कर अपने ऑपराधिक रिकॉर्ड में बढ़ोतरी की थी। अपराध की दुनिया में सबसे पहला कदम आदित्य राणा ने 11 दिसंबर 2013 में अपने साथी के कहने पर क्षेत्र के गांव कासमाबाद निवासी युवक धर्मवीर की हत्या कर रखा था। आदित्य स्योहारा क्षेत्र में सुर्खियों तब आया जब पुलिस मुखबिर के शक में 14 अक्तूबर 2017 को मुकेश पुत्र नत्थू सिंह की गांव के पास ही गोली मार कर हत्या कर दी थी।

2018 में किया था कोर्ट में सरेंडर

घटना के बाद पुलिस ने आदित्य को काफी तलाश किया, लेकिन वह पुलिस को चकमा देता रहा। उसने 10 जनवरी 2018 को कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। मृतक मुकेश के परिजन अभी मुकेश हत्याकांड को भुला भी नहीं पाए थे कि आदित्य ने मुकेश हत्याकांड की पैरवी कर रहे उसके छोटे भाई राकेश की 27 सितंबर 2018 की शाम को गांव से मात्र तीन सौ मीटर दूरी पर स्थित गांव बेरखेड़ा में ताबड़तोड़ गोली बरसा कर हत्या कर दी थी। राकेश की पत्नी ममतेश की तहरीर पर आदित्य सहित सात लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। अब तक उस पर 43 मुकदमे दर्ज थे। लेकिन उसकी मौत के बाद भी उस पर आखिरी मुकदमा पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमले का दर्ज किया गया।

बिजनौर समेत कई जिलों में था आदित्य का खौफ

मुठभेड़ में मारे गए आदित्य राणा का बिजनौर समेत कई जिलों में खौफ था। वहीं, बिजनौर में तो उसके खौफ से कई लोग दहशत में रहते थे।

झांसी में ढेर हुए असद और गुलाम

पांच-पांच लाख के इनामी असद और गुलाम का पीछा करते हुए एसटीएफ की टीम गुरुवार को झांसी पहुंच गई। झांसी में एसटीएफ की टीम ने असद और गुलाम की घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने भी फायरिंग शुरू की। जिसके बाद माफिया अतीक अहमद का बेटा असद व उसका साथी गुलाम मुठभेड़ में ढेर हो गए।बताया गया कि प्रयागराज में उमेश पाल को 24 फरवरी 2023 को उनके घर में घुसकर गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया था। तभी से ही ये आरोपी आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, अतीक अहमद का बेटा असद और उसके साथी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। कभी दिल्ली तो कभी मेरठ समेत आदि स्थानों पर इनकी लोकेशन मिली थी। लेकिन इस बार एसटीएफ की टीम ने ट्रैस किया और तुरंत घेराबंद कर ली। इस बार नहीं मिला भागने का मौका

मुठभेड़ में मारे गए असद और उसके साथी को इस बार भागने का मौका नहीं मिला। घेराबंदी करने के बाद दोनों आरोपियों की एसटीएफ से मुठभेड़ हो गई। बताया गया दोनों ने एसटीएफ की टीम के सदस्यों पर गोलियां चलाईं, लेकिन एसटीएफ की टीम ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों इनामी ढेर हो गए।

प्रयागराज में था असद का खौफ

बताया गया कि प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके बेटे असद का पूरा खौफ था। लेकिन उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद जेल चला गया और अब बेटा मुठभेड़ में ढेर हो गया। इससे प्रयागराज के लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं, अब बेटे असद के मुठभेड़ में मारे जाने की खबर सुनकर अतीक अहमद भी खून के आंसू रोएगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

भतीजी के सिंदूर की दुश्मन बुआ: लव मैरिज से खुश नहीं, घर में कराती कलह, आजिज आकर पति ने खा लिया जहरीला पदार्थ

एटा में बुआ ही अपनी भतीजी के सिंदूर की दुश्मन बन गई। भीतीजी की लव मैरिज से नाराज बुआ आए दिन ससुरालियों को भड़काती है। इससे घर में कलह बनी रहती। इससे आजिज आकर भतीजी के पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उत्तर प्रदेश के एटा में भतीजी ने प्रेम विवाह किया तो बुआ तो नागवार गुजरा। वह भतीजी के ससुरालीजनों को आए दिन भड़काती। इससे घर में कलह बनी रहती। आजिज आकर भतीजी के पति ने गुरुवार को जहरीली पदार्थ खाकर जीवनलीला समाप्त करने की कोशिश की। घटना अवागढ़ थाना क्षेत्र के बरा भौंडेला गांव की है। गांव निवासी इतवारी लाल के बेटे अमित कुमार ने गुरुवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। घर वालों को जानकारी हुई तो वह आनन फानन उसे लेकर पीएचसी पहुंचे। यहां उसकी हालत नाजुक देखते डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

प्रेम विवाह से बुआ नहीं खुश

अमित की पत्नी सीमा ने बताया कि उसने अमित के साथ प्रेम विवाह किया है। जिस गांव में उसने शादी की इसी गांव में उसकी बुआ श्रीदेवी भी ब्याही हैं। उसकी शादी से बुआ खुश नहीं हैं। बताया कि मैं और अमित दो वर्षों तक बात करते थे। हम दोनों में प्यार हो गया। इसके बाद हम लोगों ने शादी कर ली।

ये शादी हम नहीं होने देंगे

बताया कि बुआ कहती थी कि ये शादी हम नहीं होने देंगे। यदि शादी हो गई तो पति को मारकर इसकी शादी दूसरी जगह कराएंगे। इसी को लेकर वह आए दिन घर आकर घर वालों को भड़काती रहती है। इससे घर में कलह मची रहती है। बुआ के भड़काने से घर वाले उसे और अमित को कोसते रहते हैं। इसी से आजिज आकर पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

मारहरा में निकले 2 कोरोना पोजीटिव

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एक व्यक्ति पिदौरा अड्डा और एक व्यक्ति मोहल्ला का कायस्थान में कोरोना पोजीटिब निकला जिसकी जांच11/4/2023 को मारहरा सरकारी अस्पताल में कराई गई थी जिसकी रिपोर्ट 13/4/2023 को आई आने के बाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कैलाश नाथ मिश्रा ने संज्ञान में लिया और कर्मचारियों को निर्देश दिए के शहर में सैनिटाइजर कराया जाए जिससे कर्मचारियों ने कस्बे में सैनिटाइजर किया और मारहरा कस्बे में यह सुनते ही हड़कंप मच गया

निकाय चुनाव को लेकर एसएसपी ने सभ्रांत नागरिकों के साथ की बैठक

योगेश मुद्गल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा -मारहरा- एसएसपी उदयशंकर सिंह ने नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत संभ्रात नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक में सभी को चुनाव में ईमानदारी बरतने की हिदायत देते हुए अराजक तत्वों पर कडी कार्रवाई की चेतावनी दी। जिससे निकाय चुनाव शांतिपूर्ण संमपन्न कराया जाय। बैठक के बाद उन्होने कस्बा में पैदल मार्च करते हुए संवेदनशील बूथों का निरीक्षण भी किया। बैठक को संम्बोधित करते हुए एसएसपी ने कहा, कि आचार संहिता का कडाई से पालन किया जाय वहीं उल्लंधन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाये। कोई भी राजनैतिक सभा, जुलूस, बिना अनुमति के नहीं की जायें। चुनाव किसी भी धार्मिक अनुष्ठानों की भी अनुमति प्रशासन से लेनी होगी। किसी बूथ पर शांति भंग की संम्भावना है तो पुलिस को सूचित करें जिससे अपराधियों पर कार्रवाई अमल में लाई जा सके। एसडीएम सदर शिवकुमारसिंह ने बताया कि मतदाता सूची का कार्य पूर्ण हो चुका है अगर किसी प्रत्याशी का वोट कट गया है तो अपना आवेदन कर सकता है जिसका जोच के बाद वोट बना दिया जायेगा। इस दौरान सीओ सुनील कुमार त्यागी, ईओ केएन मिश्रा, थाना प्रभारी सतपाल सिंह, एस आई अफसर खां, वीरपाल सिंह, अनिल कुमार यादव, विजय कुमार शास्त्री, राहुल भारद्वाज, गोल्डी गुप्ता, महेन्द्र सिंह दिवाकर, डा0 शिव कुमार भारद्वाज, गौरव गुप्ता, दिनेश चंद्र यादव प्रधान, बबलू चैहान, कृष्ण गोपाल गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

अन्तर्जनपदीय हाकी टूर्नामेंट में आगरा ने अलीगढ़ को 4-0 से हराया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- कासगंज,जनपद के स्पोर्ट्स स्टेडियम पर आज 16 वीं पुलिस हाकी प्रतियोगिता , आगरा ज़ोन , महिला/पुरुष हाकी का शुभारंभ जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने टास उछाल कर किया , साथ ही जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने हाकी से शाट लगाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने को कहा । प्रतियोगिता का पहला मैच आगरा और अलीगढ़ की टीम के मध्य खेला गया।

आगरा पुलिस हाकी टीम ने अलीगढ़ की टीम को 4द्ध0 से पराजित कर प्रतियोगिता को गति प्रदान की। प्रतियोगिता 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलेगी।

प्रमुख रुप से भाजपा और सपा में टिकट मांगने वालों की लंबी लाइन

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- नगर निकाय के लिए चुनाव के दावेदार अपने पसंद के राजनीतिक दल से टिकट लेने के लिए पूरा दम लगा रहे हैं। लगातार हाईकमान से संपर्क साधने में लगे हैं। सबसे अधिक मारामारी एटा नगर पालिका परिषद के लिए है। प्रमुख रुप से भाजपा और सपा में टिकट मांगने वालों की लंबी लाइन है। निकाय चुनाव के नामांकन प्रक्रिया में अब एक सप्ताह भी शेष नहीं है। राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। भाजपा में दस निकायों में अध्यक्ष पद की टिकट के लिए रोजना नए-नए आवेदन हो रहे हैं। भाजपा के सामने प्रत्याशी चयन को लेकर खींचतान सी है। सपा में भी टिकट मांगने वालों की लाइन है। हर कोई अपनी-अपनी दावेदारी पक्की बता रहा है। पार्टी से जुडे लोगों की मानें तो प्रत्याशियों की घोषणा 15 अप्रैल के बाद कर दी जाएगी। बसपा जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि 15 अप्रैल के बाद प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। नगर पालिका एटा-सकीट के नामांकन कलक्ट्रेट, मतगणना सभी की मंडी समिति में एटा। नगर निकाय के चुनाव के लिए प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही है। इस बार नामांकन प्रक्रिया के स्थान को बदला जा रहा है। अब तक एटा तहसील क्षेत्र के निकायों के नामांकन होते थे। इस बार एटा और सकीट के नगर पालिका के नामांकन कलक्ट्रेट में किए जाएंगे। चुनाव की तैयारियों के लिए एडीएम प्रशासन आलोक कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी, एएसपी धनजय कुशवाह ने कलक्ट्रेट पहुंचकर हाल देखा। यह तय हुआ है कि एटा नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत सकीट के अध्यक्ष पद के नामांकन कलक्ट्रेट में होंगे। मारहरा, मिरहची तथा निधौली कलां के नामांकन प्रक्रिया तहसील सदर में की जाएगी। ऐसे ही अलीगंज तहसील में नगर पंचायत जैथरा, राजा का रामपुर और अलीगंज के नामांकन होगे। जलेसर में तहसील में अवागढ़ नगर पंचायत के नामांकन प्रक्रिया कराई जाएगी। ऐसे में मतदान के लिए दस निकायों के लिए पोलिंग पार्टी मंडी समिति से रवाना होगा। सभी की गतगणना गल्ला मंडी में ही होगी। एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी ने बताया कि निकाय चुनाव के लिए तैयारी की जा रही है। इस बार मतगणना सभी की मंडी समिति में होगी। एटा सहित सभी निकायों पर टिकट के लिए आवेदन आ रहे हैं। सबसे अधिक आवेदन एटा नगर पालिका के लिए है। अभी दस से अधिक आवेदन आ चुके हैं। शेष नगर निकायों पर पांच-पांच के करीब आवेदन आए हैं। सभी नामों की लिस्ट बनाकर पार्टी हाईकमान को भेज दी जाएगी। प्रत्याशियों की घोषणा लखनऊ से होगी। संभावना है कि 15 अप्रैल तक नाम तय हो पाएंगें।-संदीप जैन, जिलाध्यक्ष भाजपा

सभी नगर निकायों पर चुनाव के दावेदारों के आवेदन मिले हैं। जल्दी ही सभी निकायों के आवेदनों की सूची बनाकर पार्टी मुख्यालय भेजी जाएगी। जल्दी की नाम तय कर लिए जाएंगे।- परवेज जुबैरी, सपा जिलाध्यक्ष

29 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब व बुलेरो पिकअप सहित गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- थाना निधौली कला पुलिस को मिली सफलता, एक अभियुक्त 29 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब व बुलेरो पिकअप सहित गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी जलेसर श्री राघवेन्द्र सिंह राठौर के कुशल नेतृत्व मे अवैध शराब व शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना निधौली कलां पुलिस द्वारा आज दिनांक 12.04.2023 को अभियुक्त शिशुपाल पुत्र रामचन्द्र निवासी ग्राम मथु थाना मुरसान जनपद हाथरस को 29 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब व बुलेरो पिकअप सहित गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना निधौली कलां पर मुअस0- 051/2023 धारा 60(1)/72 उत्तर प्रदेश शुल्क/आब0 अधि0 पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की

करीब 63,20,500 रुपए की अवैध शराब का विनष्टीकरण

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-शराब माफियाओं के कारनामों पर बड़ी कार्यवाही, थाना कोतवाली देहात पुलिस ने कराया करीब 63, 20, 500 रुपए की अवैध शराब का विनष्टीकरण । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन में माननीय न्यायालय द्वारा प्राप्त आदेशों के क्रम में माल निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर जिला मजिस्ट्रेट एटा श्री वेद प्रिय आर्य एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री विक्रांत द्विवेदी के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा उत्कृष्ट पैरवी करते हुये संबंधित माल का विनष्टीकरण कराते हुए जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर अवैध शराब नष्ट कराई गई। जिसकी अनुमानित कीमत व विवरण निम्नवत है- 1. इम्पीरियल ब्लू - 500 पेटी 2. मैकडवल्स - 200 पेटी 3. देशी शराब - 70 पेटी 4. कच्ची शराब- 200 लीटर कुल 770 पेटी शराब व 200 लीटर कच्ची शराब अनुमानित कीमत- 63, 20,500 (तिरेसठ लाख बीस हजार पाँच सौ) रुपये।

बालक से स्कूल बस के चालक ने किया कुकृत्य

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- मुंह बंद कर कमरे में ले जाकर स्कूल बस के चालक ने बालक के साथ कुकृत्य करके फरार हो गया। डरे सहमे बालक ने पूरी घटना परिजनों को बताई, जिसे सुनकर मां के होश उड़ गए। बालक को थाना बागवाला पहुंची। पुलिस ने सुबह बालक को मेडिकल के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। मां ने आरोपी के विरूद्ध तहरीर दे दी है। थाना बागवाला के एक गांव निवासी बालक घर पर अकेला था। मंगलवार शाम को आरोपी मुकेश निवासी हरनावली थाना बागवाला आया और बालक को अकेला पाकर उसके घर में घुस गया। कमरे में ले जाकर मुंह बंद कर कुकृत्य किया। घटना को अंजाम देने के बाद मौके से भाग गया। मां उपले लेकर घर पहुंची तो बालक बुरी तरह से कांप रहा था। मां ने कारण पूछा तो बालक ने आपबीती सुनाई। पुलिस कार्रवाई को लेकर मां बालक को लेकर थाना बागवाला पहुंची। मां के अनुसार थाना पुलिस ने सुबह कार्रवाई के लिए बुलाया। बुधवार सुबह मां फिर से पहुंची। थाना पुलिस ने मेडिकल के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है। मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब के नशे में था और घटना को अंजाम दिया है। यूकेजी का है छात्र, उसी स्कूल का आरोपी है बस चालक- घरवालों की मानें तो बालक यूकेजी का छात्र है। स्कूल बागवाला में बताया जा रहा है और उसी स्कूल में आरोपी बस चलाता है। आरोपी ने किसी के भी घर पर न होने का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया है। मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी को तलाश किया जा रहा है। पुलिस को घटना की सूचना मिली वैसे ही कार्रवाई शुरू कर दी है।- विक्रांत द्विवेदी, सीओ सिटी एटा

10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 21000 रुपये के अर्थ दंड

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा पुलिस की प्रभावी पैरवी एवं जनपदीय मॉनिटरिंग सेल द्वारा की गई सतत निगरानी के चलते माननीय न्यायालय से हत्या के प्रयत्न के मामले के 01 आरोपी को दोषी पाते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 21000 रुपये के अर्थ दंड से किया गया दंडित। आज दिनांक 12.04.2023 को अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पुत्र दर्शनपाल सिंह निवासी नयाबांस थाना मिरहची जनपद एटा संबंधित मु0अ0सं0 907/2010 धारा 307,379,411 भादवि व 25 आयुद्ध अधिनियम थाना कोतवाली देहात एटा को दोषी पाते हुए मा0 न्यायालय एफटीसी-2 एटा द्वारा अभियुक्त को 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 21000/-रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-सराहनीय कार्य परिवार परामर्श केंद्र एटा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन महिला थाना केंपस नारी उत्थान केंद्र पर आज दिनांक 12.04.2023 को आपसी मतभेदों के कारण टुटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया वादी- विशाल पुत्र मोतीराम निवासी मोहल्ला रेवाड़ी थाना कोतवाली नगर जिला एटा। तिवादी- बृजेश्वरी पुत्री शांति स्वरूप नगला शिव सिंह पुर थाना बागवाला जिला एटा आपसी मतभेदों के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती, निरीक्षक बेगराम सिंह, काउंसलर सचेंद्र गुप्ता, सीमा मल्होत्रा पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथिलेश पूजा मौजूद रहे।

आर्थिक तंगी के चलते नहीं भर सका लोन की किस्त, फाइनेंस कंपनी ने बनाया दबाव तो ऑटो चालक ने की खुदकुशी

आजमगढ़ जिले मोहब्बतपुर गांव निवासी मुंशी राजभर (50) ने गुरुवार सुबह फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों ने निजी फाइनेंस कंपनी पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। यूपी के आजमगढ़ जिले में एक निजी फाइनेंस कंपनी की दादागिरी से एक व्यक्ति असमय मौत के गाल में समा गया। फाइनेंस कंपनी के गुर्गों की प्रताड़ना से तंग आकर ऑटो चालक ने खुदकुशी कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। जहां परिजन एक तरफ खुलेआम फाइनेंस कंपनी के गुर्गों पर मौत का सीधा आरोप लगा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पूंजीपति फाइनेंस कंपनी का पक्ष अब तक सामने नहीं आया है। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मोहब्बतपुर गांव निवासी मुंशी राजभर (50) ने गुरुवार सुबह घर के कमरे में पंखे के सहारे रस्सी से फंदा लगा कर आत्महत्या कर लिया। घटना के समय परिवार के अन्य लोग गेहूं की कटाई करने खेत पर गए थे। करीब नौ बजे परिजन खेत से लौटे तो नजारा देख सन्न रह गए। परिजनों में चीखपुकार मच गई।

साल भर पहले लिया था लोन पर ऑटो

सूचना पर मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुंशी तीन पुत्र व एक पुत्री के पिता थे। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। मुंशी के चचेरे भाई गुड्डू ने बताया कि लगभग एक साल पहले मुंशी ने एक प्राइवेट कंपनी से फाइनेंस करा कर सीएनजी ऑटो लिया था इसी ऑटो को चलाकर से वह अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बीते कुछ माह में आर्थिक तंगी के चलते किस्त नहीं भर सका था। किस्त न आने पर फाइनेंस कंपनी ने अपने गुर्गों को सक्रिय कर दिया। कंपनी के गुर्गे अपने साथियों के साथ अक्सर मुंशी को किस्त जमा करने के लिए प्रताड़ित करते थे। प्रताड़ना से मुंशी डिप्रेशन में आ गया था। गुरुवार सुबह परिवार के लोग खेत में गए थे। उसने फांसी लगाकर जान दे दी। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

KKR का हिस्सा बना मिर्जापुर का यह युवा तेज गेंदबाज, खुशी में झूम उठा किसान परिवार

यूपी के मिर्जापुर जिले के रहने वाले तेज गेंदबाज तेजवीर सिंह का चयन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में नेट बॉलर के तौर पर हुआ है। वो दो दिन पहले टीम से जुड़ चुके हैं। यूपी के मिर्जापुर जिले के रहने वाले तेज गेंदबाज तेजवीर सिंह का चयन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में नेट बॉलर के तौर पर हुआ है। वो दो दिन पहले टीम से जुड़ चुके हैं।

आईपीएल टीम जुड़ने के बाद से तेजवीर के गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। तेजवीर जमालपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत भडेवल निवासी हैं। उनके पिता श्रीकांत सिंह किसान है। तेजवीर तीन वर्ष से लगातार कोलकाता में तैयारी कर रहे थे। इससे पहले वे पुडुचेरी में तैयारी कर रहे थे। तेजवीर सिंह का चयन आईपीएल की टीम में होने के बाद उन्होंने अपनी बीए की परीक्षा भी छोड़ दी। तेजवीर की प्रारंभिक पढ़ाई गांव से हुई। वाराणसी से 12वीं की परीक्षा पास की। इंटर की पढ़ाई करने के बाद तेजवीर मुंबई चले गए। तीन वर्षों से तेज गेंदबाजी का प्रशिक्षण ले रहे हैं। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने ट्वीट कर तेजवीर को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

सेक्रेड हार्ट सीनीअर सेकेंडरी स्कूल में किया आई चेक अप कैंप और जागरूकता कैंप का आयोजन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - सेक्रेड हार्ट सीनीअर सेकेंडरी स्कूल ,भाई रणधीर सिंह नगर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र जांच शिविर के साथ स्वस्थ आंखों पर वार्ता हुई जिसे डॉ. एच. पी सिंह एम.डी एम्स (नेत्र रोग विशेषज्ञ)। यह कैंप कक्षा आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए लगाया गया था।

शिविर छात्रों के लिए फायदेमंद था क्योंकि उन्हें आंखों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानने का अवसर मिला।

डॉ. एच.पी. सिंह और उनकी टीम छात्रों की प्रभावी ढंग से जांच करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित नेत्र परीक्षण उपकरण लाए। उन्होंने छात्रों से जागरूकता बढ़ाने और नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करने के बारे में बात की। प्रख्यात अतिथि ने स्मार्ट उपकरणों के विवेकपूर्ण उपयोग पर भी बात की। इस आयोजन का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच नेत्र विकार, उनकी शीघ्र पहचान और नेत्र रोगों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस शिविर से छात्रों के व्यवहार में बदलाव आएगा और वे अब नेत्र स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए निवारक उपाय करना शुरू कर देंगे। यह केवल सम्मानित निदेशक रेव फादर के प्रयासों के कारण संभव हो सका।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय इकौना का किया आकस्मिक निरीक्षण

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अध्ययनरत छात्राओं से बात कर उनका कुशल क्षेम भी जाना। इस दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच किया। उन्होने छात्राओं से उनके विषय से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछे, जिस पर सही जवाब दिये जाने पर छात्राओं को टॉफी-चाकलेट देकर उनकी पीठ भी थपथपायी। तथा उनकी अभिरूचि के अनुसार मन लगाकर पढ़ाई कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित भी किया। जिलाधिकारी ने छात्राओं को दिये जाने वाले भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने रसोई घर, कार्यालय, गैलरी, क्लासरूम, पूरे कैम्पस एवं छात्रावास का भी निरीक्षण कर जायजा लिया और छात्राओं को मीनू के अनुसार भोजन-नास्ता आदि सुविधाओं को मुहैया कराते रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान ज्ञात हुआ कि विद्यालय की वार्डेन अवकाश पर है। उन्होने कहा कि विद्यालय में जितने भी स्टाफ तैनात है, वे प्रत्येक दशा में अपने तैनाती स्थल पर रहकर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करें। यदि आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कोई भी स्टाफ बिना छुट्टी स्वीकृत कराये अनुपस्थित पाया गया तो निश्चित ही कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बेटियों के उत्थान हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। समाज के विकास के लिए शिक्षा ही विकास की कुंजी है। इसलिए सभी छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने अभिरूचि के अनुसार मुकाम हासिल करें। गरीब बालिकाओं को निशुल्क शिक्षित करने के साथ उन्हें छात्रावास में रहने की व्यवस्था भोजन, कॉपी, किताब एवं यूनिफॉर्म भी दिया जा रहा है, ताकि बेटियां पढ़ लिखकर अपना भविष्य संवार सके। उनके उज्जवल भविष्य में शिक्षा का अधिक महत्व है, इसलिए विद्यालयों का सुव्यवस्थित ढंग से संचालन अति आवश्यक है। जिस पर सरकार विशेष बल दे रही है। सरकार द्वारा छात्र/छात्राओं की शिक्षा हेतु अनेक प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे उनकी शिक्षा में रूकावट न आ सके।

जिलाधिकारी ने कटरा श्रावस्ती स्थित एयरपोर्ट का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने जनपद के कटरा श्रावस्ती में स्थित एयरपोर्ट का निरीक्षण कर कराए जा रहे कार्यों का जायजा लिया, और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के गाइडलाइन के अनुसार गुणवत्तापूर्ण ढंग से अवशेष कार्यों को पूरा करने के लिए कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम को निर्देश दिया। उन्होने कहा कि एयरपोर्ट के जो भी अवशेष कार्य अन्तिम चरण पर है, उन कार्यों को युद्धस्तर पर कार्य करके पूरा किया जाए, ताकि एयरपोर्ट के संचालन की कार्यवाही आगे बढ़ सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एयरपोर्ट पर चल रहे कार्यों संत्री पोस्ट, गार्ड रूम पंप रूम, मेट ऑफिस, लैगेज रूम बाउंड्री वॉल के साथ ड्रेन आदि का निरीक्षण किया तथा अवर अभियंता उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को वर्तमान में चल रहे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, उपजिलाधिकारी इकौना रोहित सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संचारी रोगों से बचाव हेतु कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय में चलाया गया स्वच्छता अभियान

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - जिलाधिकारी नेहा प्रकाश के निर्देशानुसार जनपद में चल रहे संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के अन्तर्गत संचारी रोगों से बचाव हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या, हनुमान गढ़ी, भिनगा में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भिनगा अनीता शुक्ला द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वच्छता समिति के सदस्यों द्वारा बैठक का आयोजन भी किया गया तथा स्कूल के बच्चों को स्वच्छता एवं संचारी रोगों के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान सभी लोगों को संचारी रोगों से बचाव व साफ-सफाई के बारे में विस्तार से बताया गया, जैसे कि गीला-सूखा कूड़ा अलग-अलग करें, पॉलिथीन का उपयोग ना करें, कपड़े के थैले का उपयोग करें, अपने घर के आस-पास गंदगी ना होने दें, अपने घर के आसपास सभी जगह को साफ रखें, नालियों को साफ सुथरा रखे, कचरा जमा ना होने दें, कचरा इधर-उधर ना फेंके कूड़ेदान में ही डाले आदि जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक राजकुमार त्रिपाठी सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, अध्यापक/अध्यापिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

देशी तमन्चा व जिन्दा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी थाना इकौना जनपद श्रावस्ती मय पुलिस टीम के द्वारा पाण्डेय पुरवा पुल से अभियुक्त विजय कुमार विश्वकर्म पुत्र गुरदयाल निवासी उदई पुर दा0 चितई पुर थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती को 01 अदद देशी तमन्चा व 01 अदद जिन्दा कारतूस (12 बोर) के साथ गिरफ्तार कर थाना इकौना पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की/

www.knlslive.com

राष्ट्रीय युवा समिति के कार्यक्रम में मुख्य मेहमान सुखविंदर बिंद्रा ने नोजवानों को नशे से दूर रहने को किया प्रेरित

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - प्रोफेसर डॉ बी. के. शर्मा राष्ट्रीय युवा समिति का आयोजन लुधियाना के इश्मीत क्लब में सयोंजक इशिका देसाई दुआरा किया गया। 500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने इस समिति में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीजेपी के सीनियर नेता सुखविंदर सिंह बिन्द्रा (पूर्व चेयरमैन युवा विकास व खेल विभाग पंजाब सरकार) रहे। इस दौरान देव अग्रवाल सचिव ह्यूमन राइट्स क्लब, मुनीश जिंदल संस्थापक होवोरोबोटिक्स, डॉ दिविया खन्ना कॉर्डिनेटर सीटी यूनिवर्सिटी विशेष तौर पर उपस्थित हुए। सभी आयोजन कर्ताओ ने मेहमानों का जोरदार स्वागत किया। बिंद्रा ने कहा कि युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है। आज के युवा हर वर्ग में उन्नति कर रहे हैं। लेकिन नशा एक ऐसा जहर है जो नोजवानों को धीरे धीरे खत्म कर रहा है। उन्होंने आज के नोजवानों को नशे से दूर रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चों को स्कूल से ही नशे के बुरे प्रभाव के बारे में बताना चाहिए। उन्होंने के कहा कि बीजेपी सरकार आने पर नोजवानों की हर मुश्किल का हल किया जाएगा।

डॉ बी.आर अंबेडकर के जन्मदिवस पर विशाल शोभायात्रा आज: लवली

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -संविधान निर्माता डॉ बी.आर अंबेडकर जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में अंबेडकर नवयुवक दल द्वारा डॉ एवीएम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल से आज एक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। दल के सरपरस्त राजीव कुमार लवली व प्रधान बंसी लाल प्रेमी ने बताया कि यह यात्रा बाद दोपहर करीब 2 बजे डॉ एवीएम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू होकर चर्च चौक, सीएमसी चौक, गुरुद्वारा छेवीं पातशाही, अंबेडकर नगर, बाबा थान सिंह चौक से होते हुए डीविजन न. 3, अहाता शेरजंग, रड़ी मोहल्ला, सुभानी बिल्डिंग चौक, शाहपुर रोड, फील्ड गंज से होकर पुराना जीटी रोड, घंटा घर चौक, माता रानी चौक, छावनी मोहल्ला, सलेम टाबरी होते हुए, जालंधर बाईपास स्थित संविधान निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास जाकर संपूर्ण होगी। शोभा यात्रा को सफल बनाने के लिए दल सहित विभिन्न सहयोगी धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा सारे प्रबंध कर लिए गए हैं। यात्रा मार्ग में कई जगह स्वागती गेट तैयार किए गए हैं और लंगर प्रसाद का प्रबंध किया गया है।

Sachin Tendulkar hit Sehwag with the bat during the 2011 World Cup? What is the whole matter, know here

India's fifth match during the 2011 World Cup was against South Africa in Nagpur on 12 March. In this match, Sachin Tendulkar scored his 48th ODI century and scored 111 runs. Due to this, India had scored 296 runs. A funny incident happened during the match, which hardly anyone knows. Many exciting matches are being played one after the other. During this, Virender Sehwag, who is doing commentary in the league, has also told many interesting stories related to himself. He recalled an incident between him and Sachin Tendulkar during the 2011 ODI World

Cup and laughed a lot. The 44-year-old Sehwag told that during a World Cup match, for some reason, Sachin jokingly hit him with the bat. Actually, Sehwag had a habit of singing while batting. India's fifth match during the 2011 World Cup was against South Africa in Nagpur on 12 March. In this match, Sachin Tendulkar scored his 48th ODI century and scored 111 runs. Due to this, India had scored 296 runs. Apart from Sachin, Sehwag also played an inning of 73 runs. Batting at number three, Gautam Gambhir also scored 69 runs. Sachin and Sehwag shared a 142-run partnership for the first wicket in 17.4 overs. During this, a funny incident happened between the two, which hardly anyone knows. During the commentary in IPL, Sehwag told that Sachin had a habit of talking to the front batsman in between the overs. However, as the partnership between the two was going well in the match, Sehwag decided to keep singing instead of talking, so that he could stay focused on the match. However, this did not go down well with Sachin. Sehwag said- Sachin was in very good form then. Sachin wanted to talk to me in between the overs, but I was not talking. I was just singing to concentrate on the match. This went on for three overs. After the fourth over, Sachin came from behind and hit me with the bat and said – Tujhe Kishore Kumar bana dunga agar aise hi gaana gata gaya. To this Sehwag said that he has nothing to talk about as both are batting well. Sehwag said- I was surprised at that time. We were batting well. What to talk about in such a situation? Let it go on as it is. We had some 140-150 runs partnership then. When the over was over, he wanted to talk about the bowlers and their tactics, but I wasn't worrying about that at all. Despite the good batting of the top order batsmen, Team India could score only 296 runs. India's last seven wickets had fallen in the making for 28 runs. Dale Steyn took five wickets and Robin Peterson took two wickets. In response, South Africa achieved the target by losing seven wickets in 49.4 overs. Hashim Amla scored 61 runs, Jacques Kallis scored 69 runs and AB de Villiers scored 52 runs. Harbhajan Singh took three wickets and Munaf Patel took two wickets.

CSK vs RR: Chennai could not handle this batsman's dismissal, Ashwin's over became the turning point

In the 17th match of IPL 2023 played at Chepauk, Chennai, Rajasthan Royals defeated Chennai by three runs. As captain for Chennai Super Kings, Dhoni could not make his 200th match memorable. Batting first after winning the toss, Rajasthan Royals had scored 175 runs for 8 wickets in 20 overs, in response Chennai could manage only 172 runs for 6 wickets in 20 overs. Chasing the target, the first blow to Chennai Super Kings 10 Scored on. Rituraj failed to score big. Ajinkya Rahane, who came after this, gave good support to Devon Conway and played an innings of 31 runs in 19 balls. Shivam Dubey came to bat after Rahane's dismissal. When he was on a personal score of 8 runs, Ashwin's fourth ball hit his pad in the 12th over. Turning point of the match- Ashwin appealed and the umpire declared him out. Shivam Dubey went towards the pavilion without taking DRS. Later when the replays were seen, the ball was going outside, missing the leg stump. Chennai's middle order failed as soon as Shivam's wicket fell. Moeen Ali came in for 7 runs and Ambati Rayudu, who came as an impact player, could not do anything special. Dhoni could not hit the last ball for a six. In the end, Dhoni and Jadeja fought, but they could not win the team. In the last over, Chennai needed 21 runs to win. Sandeep Sharma bowled two consecutive wides. No run scored on the first ball. After that Dhoni hit two consecutive sixes. On the next two balls, Sandeep gave only one single each. 5 runs were needed off the last ball and Dhoni was on strike. Sandeep bowled an excellent yorker and conceded just one run.

Suryakumar remains on top in T20 rankings, no Indian in top-10 among bowlers

Suryakumar has not been able to perform well in the IPL so far. He was dismissed for 15, 01, 00 runs in three matches while playing for Mumbai Indians. Indian batsman Suryakumar Yadav remained at the top of the ICC T20 batting rankings released on Wednesday

despite poor performances in the last few innings. . Suryakumar has 906 marks. He is followed by Pakistan's Mohammad Rizwan (811 points), Babar Azam (755 points), South Africa's Aiden Markram (748 points) and New Zealand's Devon Conway (745 points) in the second, third, fourth and fifth places respectively. There is no change in the position of Virat Kohli and he is present at the 15th position. Suryakumar has not been able to perform well in the IPL so far. He was dismissed for 15, 01, 00 runs in three matches while playing for Mumbai Indians. Sri Lanka's 22-year-old spinner Mahish Tikshka has moved up to fifth in the T20I bowling rankings, while Afghanistan spinner Rashid Khan remains at the top. No Indian bowler is included in the top-10 bowling T20 rankings.

Gujarat's bowling will play havoc, Hardik's tension increased, 11.50 crore explosive batsman returned to Punjab team

There will be a lot of play with the bowling of Gujarat Titans. Captain Hardik Pandya's every bet will fail. Will Mohammed Shami, Rashid Khan be hitting the bumpers of every bowler. A whirlwind will hit the ground in Mohali on Thursday night, blowing away the defending

champions' dream of defeating the Punjab Kings. All this will happen because the 11.50 crore explosive batsman has returned to the team in the Punjab camp. Livingstone associated with the Punjab team – In the 18th match of IPL 2023, Punjab Kings will clash with Gujarat Titans. Even before this, the Punjab team has got good news. England's explosive batsman Liam Livingstone has entered the Punjab team ahead of the big match against Gujarat. Livingstone is counted among the most explosive batsmen of this format and his formidable form can be seen against Gujarat as well. Livingstone scored 437 runs in 14 matches last season, playing at an unmatched strike rate of 182. During this, 29 fours and 34 sixes came out of his bat. Livingstone also scored four fifty. Along with the bat, he was very effective with the ball as well and took 6 wickets. Except captain Shikhar Dhawan, other batsmen of the team had easily succumbed. Dhawan played a brilliant inning of 99 runs in 66 balls. In IPL 2023, Punjab has won 2 out of 3 matches played so far, while the team has lost in one.

Tried luck in the acting world with 'Takdeer', left an indelible mark in over 300 films

Actor Dinesh Hingo is celebrating his birthday today i.e. on 13th April. Dinesh is not dependent on any identity in the world of acting. During his career, he has acted in more than 300 films. Dinesh, who made people laugh in theaters with his excellent acting and humor, was born in Baroda on April 13, 1940. The actor may have got small roles in films, but his strong acting He won the hearts of the fans. Dinesh is known for his excellent comic roles. Known for his brilliant comedy. The actor started his career with the film 'Taqdeer' in the year 1967. After this film, the actor appeared in the film Kora Kagaz in the year 1974. Dinesh Eklaute is the only comic actor who has mastered the art of making people laugh just by his laughter. The actor has played the role of a Parsi businessman in many films. During his film career, Dinesh has worked in films like 'Dhoop Chhaon', 'Trishna', 'Tumhare Liye', 'Khandaan', 'Juzzbaat', 'Ladies Tailor', 'Namak Halal'. ', 'Mr-Mrs', 'Lakhon Ki Baat', 'Blood Bond', 'Loyal', 'Lover Boy', 'Anubhav', 'Khudgarj', 'Superman', 'Kisan Kanhaiya', 'Honeymoon', ' Appeared in more than 300 films like 'Phool Aur Angar', 'King Uncle', 'Gopi Kisan', 'Karan Arjun', 'Hum Aapke Hain Koun', 'Coolie No. 1', and 'Gupt'. Apart from these films, the actor did a strong performance in the 2005 Salman Khan starrer film

No Entry. Later in the year 2006, be a part of the comedy films 'Phir Hera Pheri', 'Be Careful', 'Hum Sab Ullu Hai'.

The name of 'Bhediya 2' associated with the horror universe, 'Stree 2' will fulfill its purpose on this day

Bollywood stars were seen attending Jio Studio's event last evening, from where their pictures and videos are becoming increasingly viral in the internet world. At the same time, a big announcement was made in this event, hearing which the happiness of the fans of Shraddha Kapoor, Rajkumar Rao and Varun Dhawan has reached the seventh sky. In fact, the sequels of these stars' films 'Stree' and 'Bhediya' have been announced, the details of which are as follows.

Producer Dinesh Vijan is now on the path of making a horror universe. In view of this, Rajkumar Rao and Shraddha Kapoor's 'Stree 2' and Varun Dhawan's movie 'Bhediya 2' have been included in the event. These days, the sequel is being seen in the film industry, taking advantage of which, Dinesh has made a great plan to bring the audience to the theaters by announcing the sequel of both the films. 'Stree' sequel 'Stree 2' will feature Shraddha Kapoor, Rajkumar Rao, Abhishek Banerjee and Aparshakti Khurana. On the other hand, Varun Dhawan will be seen in the sequel of 'Bhediya' but no official announcement has been made on whether his opposite will be Kriti Sanon or not. There is information about 'Stree 2' that it will hit the theaters on 31 August 2024. On the other hand 'Bhediya 2' is likely to release in the year 2025. However, it is not yet known about the films whether there will be a crossover or not. Talking about Shraddha Kapoor and Rajkumar Rao's 'Stree', it was a horror-comedy film released in the year 2018. It was directed by Amar Kaushik. Also its producers were Dinesh Vijan and Raj & DK. The film got a lot of love from the audience on the screen. At the same time, its songs were also a big hit. Talking about 'Bhediya', its producer was Dinesh Vijan. Along with this, it was also directed by Amar Kaushik. The film is going to knock on Jio Cinema on 21st April, where you can enjoy it for free. On the other hand, talking about the box office collection of this film, it was nothing special. Also, the movie got mixed reviews from the critics as well.

Bholaa Worldwide Box Office Day 14: Bhola's collection crosses 100 crores, Ajay Devgan to clash with Salman Khan on Eid

It's been two weeks since Ajay Devgn's Bhola released. The film is trying its best to strengthen its business over the weekend. At the same time, Bhola is also seen faltering a bit in Work Days, but in terms of Worldwide Collection, the film has achieved a new milestone. Algi film Bhola will do bumper opening. Breaking away from the trend of releasing films on Fridays for a strong opening, Ajay released

Bhola on Thursday on the occasion of Ram Navami. Earned so many crores on the opening day – However, Bhola could not live up to the expectation. The film opened its account with 11 crore 20 lakhs on the first day at the box office. After this, there was a decline in the film's collection on the second day, but Bhola took care of the matter and jumped on the weekend and earned around 44 crores by collecting decently. Collection dropped in the second week - strong action and heavy VFX Bhola's collection saw a decline once again on the second weekend. The film collected 3 crore 51 lakhs on 8th April i.e. Saturday, while earned only 4 crore 90 lakhs on Sunday. At the same time, the film collected 2 crores on Monday and close to 1 crore 15 lakhs on Tuesday. Bhola's Domestic Collection- Now talking about the film's Wednesday earnings, Bhola's domestic collection was disappointing. As per the initial figures, the film collected only 55 lakhs nett on the 14th day nationwide. With this, the Indian box office collection of Bhola so far has gone up to 76.98 crores. Bhola's World Wide Collection - Ajay Devgan's Bhola may be lagging behind in terms of earning in India, but in terms of World Wide Collection, the film has crossed the 100 crore mark. As per Sacnilk report, Bhola collected a worldwide gross of around 55 million on 12th April. With this, the world wide total collection of the film has reached 103 crore 5 lakh. Ajay Devgan and Salman Khan's clash - Eid is coming after a few days. In such a situation, an increase in Bhola's business can be expected, but for this, Ajay Devgan's Bhola will have to compete with Salman Khan's film Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan.

Samantha Ruth Prabhu's health deteriorated during the promotion of 'Shakuntalam', the actress lost her voice

Samantha Ruth Prabhu's health has worsened once again during the promotion of the film 'Shakuntalam', which she has given information to the fans through a tweet.South actress Samantha Ruth Prabhu is in constant headlines these days for her upcoming film 'Shakuntalam'. remains. Along with this, he is also busy with his upcoming project. Recently she fought a serious illness. Now once

again her health has deteriorated, which Samantha has given to the fans through social media. Actually, Samantha has told the fans that she has fever and has lost her voice. He gave this information by tweeting. Samantha tweeted, 'I am very excited to promote my film and get your love. Unfortunately, the busy schedule and promotions took their toll, due to which I got fever and lost my voice. As soon as Samantha informed about her health to the fans, her tweet was flooded with comments. Once again Samantha's fans are worried and are constantly asking for health updates regarding her health. Fans are praying for Samantha's speedy recovery. One user commented, 'Get well soon ma'am. Our prayers and love are with you. At the same time, another user wrote, 'We are always ready to support you. Love you. One wrote, 'Your film will be a hit, just take care of your fitness'. While talking about Samantha's film, 'Shakuntalam' is based on Kalidasa's famous play Shakuntala. It is a mythological epic story. 'Shakuntalam' will hit the theaters on April 14. Samantha is continuously promoting the film. On the other hand, she was also busy shooting for the film 'Kushi' with Vijay Deverakonda. The continuous work affected the health of the actress and now she has become ill.